श्रावण मास, कृष्ण पक्ष 1 वर्ष, अंक 66, पृष्ठ 4, मूल्य 1.00

अखण्ड भारत सन्देश

www.akhandbharatsandesh.net

प्रयागराज से प्रकाशित

नगर संस्करण प्रयागराज रविवार, 11 अक्टूबर, 2020

विश्व निर्माण एवं मानव विकास को द्रुतगति प्रदान करने हेतु क्रियायोग आश्रम एवं अनुसंधान संस्थान की एक अनुपम भेंट

सीएम योगी आदित्यनाथ का फैसला पूर्व सैनिकों को 5% क्षैतिज आरक्षण का तोहफा

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने उत्तर प्रदेश के पूर्व सैनिकों को अहम पदों पर चयनित होने का बड़ा अवसर दिया है

लखनऊ, जेएनएन। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने उत्तर प्रदेश के पूर्व सैनिकों को अहम पदों पर चयनित होने का बड़ा अवसर दिया है। भारतीय सेना के तीनों अंगों में अहम योगदान देने के बाद घर लौटने वाले पूर्व सैनिकों को अभी तक राज्य सरकार के अधीन समूह ख के पदों पर आरक्षण का लाभ नहीं मिलता था। अब यूपी के मूल निवासी पूर्व सैनिकों को पांच प्रतिशत आरक्षण मिलेगा। यह आरक्षण हर श्रेणी में क्षैतिज रूप से देने का निर्णय लिया गया है। इस फैसले से भारतीय सेना के पूर्व अधिकारियों व कर्मचारियों का मनोबल बढ़ेगा और उनके परिवार को प्रभावी संबल मिलेगा।

समूह 'ख' के पदों पर हो सकेंगे चयनित

राज्य सरकार के प्रवक्ता ने बताया कि यूपी से सर्वाधिक लोग सेना में जाते हैं। साथ ही राज्य में बड़ी संख्या में पूर्व सैनिक निवास कर रहे हैं। प्रदेश सरकार सैनिकों, पूर्व सैनिकों व उनके परिवार के कल्याण के लिए संवेदनशील है। सरकार ने राज्य सरकार के अधीन समूह ख के पदों पर क्षैतिज आरक्षण देने का अहम फैसला लिया है।

आरक्षण बढ़ने से लटका था निर्णय : उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग में पूर्व सैनिकों को आयु सीमा में छूट दी जा रही थी लेकिन, नियमानुसार आरक्षण का लाभ उन्हें नहीं मिल रहा था। पूर्व सैनिक आवेदन कर लेते थे परंतु चयनित नहीं हो पाते थे, सरकारें आरक्षण की सीमा 50 फीसद से अधिक हो जाने को आधार बनाकर निर्णय नहीं ले रही थी। नुकसान किसी का नहीं लाभ पूर्व सैनिकों को : अब क्षैतिज आरक्षण लागू करने से नुकसान किसी को नहीं है, बल्कि पूर्व सैनिकों को सर्वाधिक लाभ है। इसमें आरक्षण का पैमाना भी नहीं टूटा और पूर्व सैनिकों को आरक्षण भी मिल गया है। यानी आरक्षण अलग से नहीं है, बल्कि जो पूर्व सैनिक जिस वर्ग का होगा उसे उसी वर्ग में पांच प्रतिशत आरक्षण मिलेगा। उप्र लोकसेवा आयोग अधिनियम 1993 की धारा (1) खंड एक (क) में संशोधन को सरकार ने अनुमति दे दी है। नई भर्ती के विज्ञापन में इसका उल्लेख रहेगा।

ये फैसले भी अहम

- सेना या अर्द्धसैनिक बलों में कार्यरत रहते हुए कर्तव्यपालन के दौरान एक अप्रैल 2017 के बाद शहीद होने वाले सैनिकों के आश्रितों को शासकीय सेवा में लिए जाने का निर्णय।
- 19 मार्च 2018 को प्रदेश के मूल निवासी शहीद सैनिकों के आश्रितों को अनुकंपा नियुक्ति देने का आदेश जारी।
- उत्तर प्रदेश के मूल निवासी सैन्य बलों के शहीद परिवार को दी जा रही 25 लाख रुपए की आथक सहायता बढ़ाकर 50 लाख रुपए की गई।
- सरकार प्रदेश के वीरता पुरस्कारों से सम्मानित पदक विजेताओं को एकमुश्त व वार्षिकी उच्च दरों से दे रही।

PAC में कांस्टेबल व एसआइ के डिमोशन में CM योगी आदित्यनाथ का एक्शन, ADG का तबादला

लखनऊ, जेएनएन। उत्तर प्रदेश के सीएम योगी आदित्यनाथ किसी भी सरकारी कर्मचारी की प्रताड़ना को लेकर गंभीर रहने के साथ भ्रष्टाचार व कार्य शिथिलता में जरा सी भी लापरवाही बर्दाश्त नहीं करते हैं। सीएम योगी आदित्यनाथ ने पीएसी से नागरिक पुलिस ने आए कांस्टेबल व सब इंस्पेक्टर (एसआइ) को प्रमोशन न देने के मामले में जिम्मेदार माने जा रहे एडीजी स्थापना पीयूष आनंद का तबादला कर दिया है।

सीनियर आइपीएस अफसर पीयूष आनंद पीएसी के जवानों के प्रमोशन को लेकर उठे बड़े सवाल के बाद बेहद चर्चा में थे। सीएम योगी आदित्यनाथ ने उनकी भूमिका पर जांच के बाद कार्रवाई के निर्देश दिए थे। डीजीपी ने इसके बाद जांच कराई थी। अब संजय सिंघल को एडीजी स्थापना के पद पर तैनात किया गया है जबकि पीयूष आनंद को एडीजी रेलवे के पद पर भेजा गया है।

उत्तर प्रदेश की योगी आदित्यनाथ सरकार करप्शन के खिलाफ जीरो टॉलरेंस की नीति को अपनाते हुए लगातार बड़े फैसले ले रही है। इसी के चलते सरकार लगातार अधिकारियों के ट्रांसफर कर रही है। प्रदेश सरकार ने शनिवार को आईपीएस अधिकारियों के ताबदलों की लिस्ट जारी की है। इसके तहत दो आईपीएस अधिकारियों के ताबदले की लिस्ट जारी की है। इस लिस्ट में एडीजी स्थापना पद से पीयूष आनन्द को हटा दिया गया है। सीएम की नाराजगी के बाद पीयूष आनन्द हटाये गए। पीयूष आनन्द के स्थान पर संजय सिंघल को एडीजी स्थापना बनाया गया और पीयूष आनन्द को एडीजी रेलवे बनाया गया है।

महिला सुरक्षा को लेकर गृह मंत्रालय सख्त राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों को दिया निर्देश

नई दिल्ली, एएनआइ। महिलाओं के खिलाफ बढ़ते आपराधिक मामलों को देखते हुए गृह मंत्रालय ने सभी राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों के लिए एडवाइजरी जारी की है। इसमें मंत्रालय ने महिला अपराध के मामलों में पुलिस की कार्रवाई सुनिश्चित करने को कहा है। ऐसे मामलों में सही तरीके से काम करने और मामलों में लापरवाही न बरतने का दिशा-निर्देश दिया गया है। माना जा रहा है कि उत्तर प्रदेश, छत्तीसगढ़, राजस्थान व कुछ अन्य राज्यों में महिलाओं के खिलाख हालिया घटनाओं के मद्देनजर ऐसा किया गया है।

बता दें कि भारत सरकार की तरफ से राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों के समय सयम पर महिला अपराधों पर सख्त कार्रवाई करने के निर्देश जारी किए जाते हैं। दुष्कर्म के मामलों में जल्द एफआइआर दर्ज करने, सबूत जुटाने और समय पर फॉरेंसिक जांच करने का निर्देश है। मंत्रालय ने कहा है कि महिला के खिलाफ अपराध यदि थाने के अधिकार क्षेत्र के बाहर हुआ है तो उस स्थिति में जीरो एफआइआर दर्ज की जाए। दिशा-निर्देशों में साफ

कहा गया है कि अगर महिलाओं के खिलाफ अपराधों में अगर कोई चूक होती है तो मामले में दोषी अधिकारियों के खिलाफ भी कार्रवाई होगी। भारतीय दंड संहिता की धारा 166 (अ) FIR दर्ज न करने की स्थिति में पुलिसकर्मियों के खिलाफ कार्रवाई की इजाजत देता है। सीआरपीसी की धारा 173 के तहत दुष्कर्म के मामले में 2 महीने के भीतर जांच पूरी करना जरूरी है।

कोरोना काल में ही कौशल विकास 3.0 लांच करने की तैयारी, अगले पांच महीने में आठ लाख होंगे प्रशिक्षित

नीलू रंजन, नई दिल्ली। कोरोना काल में सरकार कौशल विकास कार्यक्रम के तीसरे चरण को लागू करने की तैयारी में जुट गई है। इस महीने के अंत तक या नंवबर में कौशल विकास 3.0 को शुरू किया जाएगा। सरकार का लक्ष्य चालू वित्तीय वर्ष के अंत तक यानी अगले पांच महीने में आठ लाख युवाओं को कौशल विकास का प्रशिक्षण देकर उन्हें रोजगार उपलब्ध कराना है। उच्च पदस्थ सूत्रों के अनुसार, प्रधानमंत्री कार्यालय ने कौशल विकास मंत्रालय को इसके लिए पूरी तैयारी करने का निर्देश दिया है।

इसके साथ ही योजना को लागू करने में समय की कमी को देखते हुए जिला कौशल परिषद को पहले ही अलर्ट करने को कह दिया गया है। ताकि कार्यक्रम लांच होते ही उसका तेजी से क्रियान्वयन शुरू किया जा सके। कौशल विकास मंत्रालय से योजना के क्रियान्वयन के लिए दिशानिर्देश तैयार करने को कहा गया है। दरअसल, पहले कौशल विकास 3.0 को इसी साल जुलाई से लांच करने की योजना थी, लेकिन कोरोना के कारण यह संभव नहीं हो पाया। बड़ी संख्या में प्रवासी कामगारों की घर वापसी को देखते हुए कौशल विकास की पूरी मशीनरी कामगारों की मैपिंग और उनके प्रशिक्षण की तैयारियों में जुट गई थी। उसी दौरान कौशल विकास मंत्रालय 'असीम' नाम से एक पोर्टल लांच करने में कामयाब रहा। इस पोर्टल पर उद्योगों और प्रशिक्षित मजदूरों

दोनों के बीच संवाद की व्यवस्था की गई ताकि उद्योगों की जरूरत के मुताबिक बेहतर कामगार मिल सकें और मजदूरों को भी अच्छे अवसर मिलें। देश खुलने और आद्रथक गतिविधियों के दोबारा शुरू होने के बाद प्रवासी कामगार अपने-अपने काम की ओर लौट रहे हैं। ऐसे में बेरोजगार युवाओं को प्रशिक्षण देकर उन्हें रोजगार उपलब्ध कराने की योजना पर फिर से काम शुरू किया गया।

सूत्रों के अनुसार, कौशल विकास 3.0 के तहत युवाओं को प्रशिक्षण देने और रोजगार उपलब्ध कराने का पूरा जोर जिला स्तर पर होगा। जिला कौशल परिषद को स्थानीय स्तर पर मौजूद उद्योगों और रोजगार के अवसरों के अनुरूप प्रशिक्षण का कार्यक्रम तैयार करने को कहा गया है ताकि प्रशिक्षित युवाओं को अपने घर के आपपास ही रोजगार मिल सके।

प्रशिक्षित युवाओं की उपलब्धता से स्थानीय उद्योग-धंधों को भी बढ़ावा मिलेगा। ध्यान देने की बात है कि कौशल विकास 2.0 वर्ष 2016 से 2020 तक चला है। इस दौरान पूरे देश में लगभग एक करोड़ युवाओं को विभिन्न क्षेत्रों में कौशल विकास का प्रशिक्षण दिया गया जिनमें आधी से अधिक संख्या महिलाओं की है।

असंभव है 6 माह से अधिक की मोरेटोरियम अवधि, SC में RBI का हलफनामा

नई दिल्ली, प्रेट्र। लोन मोरेटोरियम मामले में भारतीय रिजर्व बैंक ने शनिवार को हलफनामा दायर किया। इसके जरिए बैंक ने कहा है कि कोविड-19 महामारी से प्रभावित इलाकों में राहत देना संभव नहीं है। बैंक का कहना है कि 6 माह से अधिक का समय देने का मतलब पूरी तरह से क्रेडिट से जुड़े नियमों भंग करना है। RBI की ओर से दायर हलफनामे में कहा गया है कि दो करोड़ तक के कर्ज के लिए 'ब्याज पर ब्याज' माफ किया जा सकता है, लेकिन इसके अलावा कोई और राहत देना राष्ट्रीय अर्थव्यवस्था और बैंकिंग क्षेत्र के लिए नुकसानदेह होगा।

RBI ने हलफनामे में कहा कि छह महीने से अधिक मोरेटोरियम लोन लेने वालों का क्रेडिट व्यवहार प्रभावित होगा। साथ ही निर्धारित भुगतानों को

फिर से चालू करने में देरी हो सकती है जिससे अर्थव्यवस्था में ऋण निर्माण की प्रक्रिया पर भी असर होगा। RBI ने सुप्रीम कोर्ट को यह भी बताया कि पहले ही सरकार ने 2 करोड़ तक के छोटे कर्ज पर चक्रवृद्धि ब्याज नहीं लेने का फैसला किया है और अब कर्ज का भुगतान न करने वाले सभी खातों को एनपीए घोषित करने पर लगी रोक को हटा देना चाहिए, ताकि बैंकिंग व्यवस्था में सुधार हो सके।

सुप्रीम कोर्ट ने 12 अक्तूबर तक नया हलफनामा दाखिल करने का आदेश दिया था। इस मामले की अगली सुनवाई 13 अक्टूबर को होगी। जस्टिस अशोक भूषण की अध्यक्षता वाली सुप्रीम कोर्ट की तीन जजों की बेंच ने याचिकाओं पर सुनवाई की। इससे पिछली सुनवाई के दौरान कोर्ट ने केंद्र सरकार को एक अक्टूबर तक हलफनामा दायर करने का समय दिया था और बैंकों से अभी ठढअ घोषित नहीं करने को कहा गया था।

इससे पहले 5 अक्टूबर को सुप्रीम कोर्ट ने लोन मोरेटोरियम की अवधि के दौरान स्थगित एटक में 'ब्याज पर ब्याज ' में छूट को लेकर सुनवाई की थी और फ्रेक से केवी कामथ कमिटी की सिफारिशों को रिकॉर्ड पर रखने को कहा है।कोर्ट ने कहा था कि ब्याज पर राहत देने की जो बात की गई, उसके लिए केंद्रीय बैंक द्वारा किसी तरह का दिशा-निर्देश जारी नहीं किया गया। वित्त मंत्रालय ने 2 अक्टूबर को कोर्ट में अतिरिक्त हलफनामा दायर कर कहा था कि इसने मध्यम और छोटे उद्योगों के साथ-साथ व्यक्तिगत कर्ज लेने वालों के लिए 2 करोड़ तक के लोन पर चक्रवृद्धि ब्याज माफ करने का फैसला किया था। फ्रेक ने 27 मार्च को बैंकों व वित्तीय संस्थानों को 1 मार्च 2020 तक बकाया सभी टर्म लोन्स के बॉरोअर्स को एटकके भुगतान पर 3 माह का मोरेटोरियम उपलब्ध कराने को कहा था। इस विकल्प में ग्राहक मार्च, अप्रैल और मई माह की अपनी एटकचाहें तो होल्ड कर सकते हैं।

रेलवे आरक्षण के नियमों में आज से बड़ा बदलाव

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय रेलवे ने टिकटों के आरक्षण के नियमों में आज यानी 10 अक्टूबर से बड़ा बदलाव किया है। नए बदलाव के तहत अब ट्रेनों में टिकट आरक्षण का दूसरा चार्ट ट्रेन के स्टेशन से चलने के आधे घंटे पहले जारी किया जाएगा। बता दें कि पिछले कुछ महीने से कोरोना वायरस महामारी को देखते हुए रेलवे ने यह समय दो घंटे कर दिया था।

अब ट्रेन चलने से आधे घंटे पहले तक रिजर्वेशन कराने की सुविधा भी मिलेगी। यह सुविधा करंट बुकिंग काउंटर और आनलाइन दोनों पर उपलब्ध रहेगी। अनलॉक शुरू होने के बाद रेल प्रशासन ने कुछ ट्रेनों को चलाना शुरू कर दिया है। धीरे-धीरे ट्रेनों की संख्या बढ़ाई जा रही है। स्पेशल ट्रेन के लिए प्रथम चार्ट ट्रेन चलने के चार घंटे पहले बनाई जाती है। चार घंटे पहले तक बुकिंग काउंटर से टिकट लिया जा सकता है और वापस किया

जाता है। प्रथम चार्ट बनने के बाद जो बर्थ खाली रह जाती है, ट्रेन चलने के दो घंटे पहले तक यात्री उस पर आनलाइन रिजर्वेशन टिकट ले सकते हैं। वर्तमान व्यवस्था में कई स्पेशल ट्रेन में बर्थ खाली होती है, अंतिम समय में यात्री रिजर्वेशन टिकट नहीं ले पाते हैं। रेल प्रशासन 10 अक्टूबर यानी आज से व्यवस्था बदल दिया है। ट्रेन चलने से पहले प्रथम आरक्षण चार्ट चार घंटे पहले बनाया जाएगा। दूसरा चार्ट ट्रेन चलने से आधे घंटे पहले तक बनेगा। यात्री खाली बर्थ पर रिजर्वेशन करा सकते हैं और टिकट भी वापस करा सकते हैं। जिस स्टेशन पर करंट बुकिंग काउंटर है, यात्री वहां से टिकट खरीद सकते हैं। ई टिकट ले सकते हैं। यानी यात्री ट्रेन पकड़ने के लिए घर से निकले के बाद मोबाइल से ई आरक्षण टिकट ले सकते हैं। रेलवे की इस सुविधा से ऐसे लोगों को विशेष मदद मिलेगी जिन्हें किसी विशेष आपात स्थितियों में ट्रेन से यात्रा करना पड़ती है।

बता दें कि भारतीय रेलवे ने 25 मार्च से राष्ट्रीय लॉकडाउन के चलते सभी यात्री ट्रेन सेवाएं निलंबित कर दी थी। हालांकि, उसने चरणबद्ध तरीके से अपनी सेवाएं बहाल की, जिसकी शुरूआत एक मई से प्रवासी मजदूरों को उनके गृह राज्य पहुंचाने के लिए श्रमिक स्पेशल शुरू करने से हुई।

त्योहारी सीजन में रेलवे चलाएगा 200 ट्रेनें

त्योहारी मौसम में कितनी ट्रेनें चलाई जाएंगी इसे लेकर मीडिया में तमाम अटकलें लगाई जा रही थीं, जिसे कुछ दिन पहले ही रेलवे ने साफ कर दिया। कहीं से ये खबर आ रही थी कि 100 ट्रेनें चलेंगे तो कहीं से 50 ट्रेनें चलाने की खबर आ रही थी। रेल बोर्ड के चेयरमैन ने साफ कर चुके हैं कि त्योहारी मौसम में अक्टूबर से नवंबर के बीच 200 से भी अधिक ट्रेनें चलाई जाएंगी और जरूरत पड़ी तो इनकी संख्या और भी बढ़ाई जा सकती है।

मध्यप्रदेश: कार पलटकर गड्ढे में गिरी, दिल्ली की महिला पत्रकार समेत तीन की मौत

गुना, जेएनएन। दिल्ली जा रही एक कार शनिवार सुबह करीब नौ बजे हादसे का शिकार हो गई। इसमें दिल्ली की पत्रकार समेत तीन महिलाओं की मौत हो गई, जबकि एक महिला पत्रकार घायल है। हादसा नेशनल हाईवे- 46 (बैतूल-ग्वालियर) पर मध्य प्रदेश के गुना जिले के चांचौड़ा थाना क्षेत्र के बीनागंज बायपास पर हुआ। हादसे में घायल बिंदु शर्मा के मुताबिक मवेशी को बचाने के चक्कर में कार का संतुलन बिगड़ गया और वह तीन-चार पलटी खाकर सड़क किनारे गड्ढे में जा गिरी। पुलिस के मुताबिक दिल्ली की चार महिलाएं आठ अक्टूबर को कार से प्रसिद्ध तीर्थस्थल ओंकारेश्वर घूमने आई थीं। शनिवार सुबह वे दिल्ली लौट रही थीं। इसी बीच बीनागंज बायपास पर कार दुर्घटनाग्रस्त हो गई। पुलिस मौके पर पहुंची और घायल महिलाओं को बीनागंज स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया गया।

चांचौड़ा थाना टीआइ राकेश गुप्ता ने बताया कि संतोष कुमारी (48) की घटनास्थल पर ही मौत हो गई थी। वहीं गायत्री देवी (60), पूनम भारती (52) और बिंदु शर्मा (45) को गुना जिला अस्पताल रेफर किया गया। यहां उपचार के दौरान गायत्री देवी ने भी दम तोड़ दिया, जबकि पूनम भारती को ग्वालियर रेफर किया गया, उनकी भी रास्ते में मौत हो गई। बिंदु शर्मा के हाथ में चोट लगी है, उनकी तबीयत ठीक है।

पुलिस के मुताबिक बिंदु शर्मा तहलका टुडे समाचार पत्र की सीईओ हैं। वे दिल्ली के प्रताप नगर में रहती हैं। पूनम भारती भी पत्रकार थीं और बिंदु के साथ काम करती थीं। दिल्ली के रघुवीर नगर निवासी गायत्री देवी बैंककर्मी थीं और संतोष कुमारी उनके ही घर पर रहती थीं। कार बिंदु शर्मा चला रही थीं।

विराट कोहली ने CSK के खिलाफ बनाया नया रिकॉर्ड IPL में ऐसा करने वाले पहले बल्लेबाज बने

नई दिल्ली, जेएनएन। चेन्नई सुपर किंग्स के खिलाफ विराट कोहली ने आइपीएल के 25वें मैच में जो नाबाद 90 रन की पारी खेली और कई मायनों में उनके लिए खास रही। इस पारी के जरिए उन्होंने कई कामयाबी अपने नाम कर ली। विराट कोहली आइपीएल में सीएसके के खिलाफ सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाज भी बन गए हैं और उन्होंने इस टीम के खिलाफ अपने रनों की संख्या को 800 के पार पहुंचा दिया है। चेन्नई के खिलाफ विराट के अलावा किसी भी बल्लेबाज ने 800 का आंकड़ा अब तक नहीं छूआ है तो वहीं आरसीबी की तरफ से भी वो ऐसा करने वाले पहले बल्लेबाज बन गए। आइपीएल के 25वें मैच में विराट कोहली ने नाबाद 90 रन की पारी के दम पर सीएसके के खिलाफ अपने रनों की संख्या को 837 पर पहुंचा दिया है। इस लीग में किसी एक टीम के खिलाफ

सबसे ज्यादा रन बनाने के मामले में रोहित शर्मा पहले नंबर पर हैं जिन्होंने केकेआर के खिलाफ 904 रन बनाए हैं तो वहीं डेविड वार्नर पंजाब के खिलाफ 871 रन बनाकर दूसरे नंबर पर हैं। विराट कोहली दिल्ली के खिलाफ 868 रन बनाकर तीसरे नंबर पर हैं तो वहीं वार्नर कोलकाता के खिलाफ 865 रन बनाकर चौथे स्थान पर हैं। वहीं विराट फिर से सीएसके के खिलाफ 837 रन बनाकर पांचवें नंबर पर हैं।

आइपीएल में विरोधी टीम के खिलाफ सबसे ज्यादा रन बनाने वाले टॉप 5 बल्लेबाज (ये आंकड़े क्ढछ 2020 के25वें मैच तक का है।)

रोहित शर्मा - 904 विरुद्ध केकेआर, डेविड वार्नर - 871 विरुद्ध पंजाब, विराट कोहली - 868 विरुद्ध दिल्ली, डेविड वार्नर - 865 विरुद्ध केकेआर, विराट कोहली - 837 विरुद्ध सीएसके।

विराट कोहली ने आइपीएल में अब तक कुल 183 मैच खेले हैं। इन मैचों में उन्होंने 38.33 की औसत से 5635 रन बनाए हैं। उनका स्ट्राइक रेट 131.50 का रहा है और इस लीग में उनके नाम पर 5 शतक और 38 अर्धशतक दर्ज हैं। उन्होंने अब तक 493 चौके व 197 छक्के लगाए हैं। विराट कोहली को उनके शानदार प्रदर्शन के लिए प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया। इस मैच में आरसीबी ने 20 ओवर में 4 विकेट पर 169 रन बनाए थे और इसके जवाब में सीएसके 20 ओवर में 8 विकेट पर 132 रन ही बना पाई और टीम को 37 रन से हार का सामना करना पड़ा।

पुलिस समन के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट पहुंचे रिपब्लिक टीवी के सीएफओ

नई दिल्ली, एजेंसियां। टेलीविजन रेटिंग प्वाइंट (टीआरपी) से छेड़छाड़ करने वाले रैकेट की जांच के सिलसिले में मुंबई पुलिस द्वारा जारी समन के खिलाफ रिपब्लिक मीडिया नेटवर्क के मुख्य वित्तीय अधिकारी (सीएफओ) शिव सुब्रमण्यम सुंदरम ने सुप्रीम कोर्ट में याचिका दाखिल की है। इसी याचिका का हवाला देते हुए वह शनिवार को मुंबई पुलिस के समक्ष पेश नहीं हुए।

एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि सुंदरम के खिलाफ शुक्रवार को समन जारी किया गया था। उन्होंने पुलिस से बयान दर्ज नहीं करने का अनुरोध किया है क्योंकि चैनल की याचिका पर हफ्तेभर के अंदर सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई होनी है। सुंदरम और दो प्रमुख विज्ञापन कंपनियों के प्रमुखों को बयान दर्ज कराने के लिए शनिवार सुबह 11 बजे मुंबई पुलिस की अपराध शाखा कार्यालय बुलाया गया था। इस समन के आधार पर मैडिसन वर्ल्ड एंड मैडिसन कम्युनिकेशंस के चेयरमैन एंड मैनेजिंग डायरेक्टर सैम बलसारा अपना बयान दर्ज कराने अपराध शाखा के समक्ष पेश हुए। बता दें कि फर्जी टीआरपी रैकेट मामले की जांच मुंबई पुलिस की अपराध खुफिया इकाई (सीआइयू) कर रही है। मुंबई पुलिस आयुक्त परमबीर सिंह ने दावा किया था कि रिपब्लिक टीवी समेत तीन चैनलों ने टीआरपी के साथ छेड़छाड़ की थी। टीआरपी को मापने वाले संगठन ब्रॉडकास्ट ऑडियंस रिसर्च काउंसिल (बार्क) ने इस संबंध में हंस रिसर्च ग्रुप प्राइवेट लिमिटेड के जरिये शिकायत दर्ज करवाई थी।

ग्रामीण अंचल

प्रयागराज रविवार, 11 अक्टूबर, 2020

संक्षेप समाचार

करछना पुलिस की अनदेखी से घट सकती है बड़ी घटना

करछना। थाना करछना के अंतर्गत गन्धियाव गांव के मदार्पुर में बीते दिनों हुई हत्या के मामले में दबंगो द्वारा बार बार जान से मारने की धमकी दी जा रही है। जिसे लेकर पीड़ित रमेश चन्द्र पांडेय पुत्र त्रियुगी नारायण ने करछना थाने में लिखित तहरीर प्रभारी निरीक्षक करछना अनिल कुमार सिंह को देकर जान माल के सुरक्षा की गुहार लगाया है। जिनके अनुसार शुक्रवार को घर से कुछ दूरी पर पैर फैक्कर होने पर धीरे धीरे टहलने गया हुआ था।जंहा अकेला देखकर पहुँचे सुशील, राकेश (गरुण) अजय पुत्रगण स्व दिनेश चंद्र पांडेय व अनिल,शुभम पुत्र विष्णु पांडेय समेत कुशल व कौशलेश पहुँचकर भद्दी भद्दी गाली देते हुये जान से मारने की धमकी देते हुये चले गये। जिनके अनुसार समय रहते करछना पुलिस द्वारा आवश्यक कार्यवाही नही किया गया तो बड़ी घटना घट सकती है।जिसकी जिम्मेदारी पुलिस की होगी।

पुलिस और पीएसी की मौजूदगी में हुआ कोटेदार का चयन

कोटेदार के चयन के दौरान उपस्थित अधिकारीगण व जमा ग्रामीणों की भीड़

शंकरगढ़। विकास खंड शंकरगढ़ के ग्रामसभा झंझरा चौबे में शनिवार को कोटेदार के चयन को लेकर दिनभर भारी गहमागहमी रही। भारी संख्या में पुलिस बल और पीएसी के जवान भी तैनात रहे। यहां उचित दर विक्रेता के (कोटे) चयन की प्रक्रिया शनिवार को दोपहर दो स्वयं सहायता समूहों और उनके समर्थकों की मौजूदगी में संपन्न कराई गई।

झंझरा चौबे प्राथमिक विद्यालय परिसर में सेक्टर मजिस्ट्रेट जिला उद्यान अधिकारी प्रतिभा पांडेय, नोडल अधिकारी पशु चिकित्साधिकारी सुनील मिश्रा, नोडल अधिकारी सहायक खंड विकास अधिकारी आईएसबी धीरेन्द्र त्रिपाठी, सहायक खंड विकास अधिकारी पंचायत (एडीओ) ओम प्रकाश पांडेय, ग्राम पंचायत अधिकारी दीपेश सिंह, ग्राम प्रधान श्यामा देवी आदि ने चुनाव प्रक्रिया के तहत कविता महिला स्वयं सहायता समूह से सुमन सिंह पत्नी नंदलाल सिंह (निवासी झंझरा पांडेय) व जय माता महिला समूह से सीमा मांझी पत्नी राहुल मांझी (निवासी चकगरीबा) ने राशन के दुकान चयन प्रक्रिया में भाग लिया।अधिकारियों ने दोनों स्वयं सहायता समूह के समर्थकों को लाइन लगवाकर गणना करवाई। प्रथम पक्ष से सुमन सिंह कविता महिला स्वयं सहायता समूह को 271 लोगों का समर्थन मिला। जबकि सीमा मांझी जय माता महिला समूह को 262 लोगों का। बताया जाता है कि इस गणना से सीमा मांझी के समर्थक बौखला गए और अधिकारियों से समय बढ़ाने की मांग करने लगे। हालांकि पुलिस चौकी प्रभारी नारीबारी जगदीश कुमार के नेतृत्व में पुलिस व पीएसी के जवान स्थिति को नियंत्रित करते रहे। अंत में अधिकारियों ने कविता महिला स्वयं सहायता समूह की सुमन सिंह को नौ मतों से विजई घोषित कर राशन वितरण दुकान की घोषणा कर दी। इस चयन प्रक्रिया के दौरान महेंद्र कुमार, जिला मीडिया प्रभारी दिलीप कुमार चतुर्वेदी, बालेन्द्र चतुर्वेदी, राजेश चतुर्वेदी, राम जतन तिवारी, गौरी आदिवासी, रावेन्द्र सिंह, राजेन्द्र चतुर्वेदी, धीरेन्द्र चतुर्वेदी आदि मौजूद रहे।

भारी अव्यवस्था के बीच नहीं दिखी फिजिकल डिस्टेंसिंग

भारी भीड़ के बीच स्कूल में जगह भी कम पड़ गई। इस दौरान यहां सोशल डिस्टेंसिंग की खूब धज्जियां उड़ीं। मास्क भी किसी के चेहरे पर नहीं दिखा। भारी भीड़ और गर्मी से बेहाल लोग प्यास के लिए भी परेशान दिखे। इसी भीड़ में कुछ लोगों ने नया खाता खोलवा कर चुनाव प्रक्रिया में भाग लेने की भी कोशिश की, लेकिन अधिकारियों ने शासनादेश का हवाला देते हुए सिर्फ दो लोगों को ही चुनाव में शामिल होने का मौका दिया।

हाईकोर्ट समाचार

डीपीआरओ कानपुर देहात के बारे में कोर्ट ने मांगी जानकारी

प्रयागराज। कानपुर देहात में भ्रष्टाचार के खिलाफ जिस अफसर की शिकायत की, उसी ने शिकायत करने वाली सफाईकर्मी का तबादला कर दिया और उसी कर्मी के खिलाफ जांच बैठा दी। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने इसे गंभीरता से लिया और सरकारी वकील से तबादला करने वाले जिला पंचायत राज अधिकारी का पदभार संभाल रहे अधिकारी के बारे में ब्योरे के साथ जानकारी मांगी है। साथ ही मुख्य विकास अधिकारी द्वारा तबादले के अनुमोदन का आदेश पेश करने का निर्देश दिया है। कोर्ट ने कहा है कि यदि जानकारी नहीं दी जाती तो सीडीओ एवं डीपीआरओ 12 अक्टूबर को कोर्ट में वीडियो कान्फ्रेंसिंग के जरिये हाजिर हो। यह आदेश न्यायमूर्ति अजय भनोट ने मालसा में तैनात सफाई कर्मी सुनीता देवी की याचिका पर दिया है । याची ने डीपीआरओ के भ्रष्टाचार के खिलाफ मुख्यमंत्री व अन्य अधिकारियों से शिकायत की और जांच की मांग की। इसके बाद डीपीआरओ ने याची का सरवनखेडा विकास खंड की ग्राम पंचायत से मालसा विकास खंड की ग्राम पंचायत मालसा मे तबादला कर दिया। याची ने मालसा में कार्यभार ग्रहण कर लिया है और जांच बैठाकर याची को कारण बताओ नोटिस जारी की है। जिसे चुनौती दी गयी है।

कोर्ट ने लेखाधिकारी बेसिक से पूछा, किस अधिकार से वेतन रोका

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने वित्त एवं लेखाधिकारी बेसिक शिक्षा गोरखपुर से पूछा है कि जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी के आदेश के बावजूद किस अधिकार से याची के बकाया वेतन का भुगतान रोक रखा है। कोर्ट ने लेखाधिकारी को 17 नवम्बर तक हलफनामा दाखिल करने का निर्देश दिया है। यह आदेश न्यायमूर्ति अजित कुमार ने सेवानिवृत्त सहायक अध्यापक सीनियर बेसिक स्कूल झरवा सत्य नारायण गिरी व अन्य की याचिका पर दिया है । याची अधिवक्ता का कहना है कि शिक्षा सत्र में परिवर्तन के कारण याची 31 मार्च 16 को सेवानिवृत्त हुआ। इससे पहले उसे एक जुलाई 15 से सेवानिवृत्त मानते हुए कार्य नहीं करने दिया गया था। कोर्ट के आदेश से सेवा निरंतरता के साथ दुबारा कार्यभार ग्रहण कराया गया और वेतन भी दिया गया। जुलाई 15 से दुबारा कार्यभार ग्रहण करने की अवधि का वेतन नही दिया गया। बीएसए ने बकाया वेतन का भुगतान करने का निर्देश दिया है। इसके बावजूद भुगतान नहीं किया गया है। जिस पर यह याचिका दाखिल की गयी है।

मेडिकल कॉलेज पीजी कोर्स फीस मामला

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने कहा है कि मेडिकल कॉलेजों को फीस निर्धारण कमेटी द्वारा तय की गयी फीस से अधिक फीस लेने का अधिकार नहीं है। कोर्ट ने मुजफ्फरनगर मेडिकल कॉलेज एवं हास्पिटल के प्रतिनिधि व पीजी कोर्स के छात्रों को 15 अक्टूबर 20 को 11 बजे कमेटी के समक्ष हाजिर होकर अपना पक्ष रखने का आदेश दिया है। और कमेटी को अधिक फीस वसूली मामले मे 9 नवम्बर से पहले निर्णय लेने का निर्देश दिया है। कोर्ट ने कहा है कि तब तक छात्रों के खिलाफ फीस जमा करने के उत्पीड़न की कार्यवाई न की जाय। यह आदेश न्यायमूर्ति शशिकान्त गुप्ता तथा न्यायमूर्ति पंकज भाटिया की खंडपीठ ने डाक्टर साक्षी मित्तल व 26 अन्य याचियों की याचिकाओं को निस्तारित करते हुए दिया है। याचियों का कहना था कि उन्होंने दो वर्ष की फीस के साथ अतिरिक्त फीस जमा की है। कालेज प्रबंधन तीसरे वर्ष की फीस जमा करने के लिए कार्यवाई कर रहा है। याचियों का कहना है कि कमेटी की निर्धारित फीस से अधिक जमा करायी गयी फीस को तीसरे वर्ष की फीस मे समायोजित की जाय।याचियों ने हास्टल फीस 5 लाख जमा की है। जिसे बढ़ाकर 12 लाख 88 हजार रुपये कर दिया गया है और 7 लाख 88 हजार फीस जमा करने के लिए बाध्य किया जा रहा है। याचीगण पीजी कोर्स के छात्र है और कोविड की ड्यूटी के लिए तैयार है। याचियों का कहना था कि महानिदेशक चिकित्सा शिक्षा ने 3 जुलाई 19 को कालेजों को छात्रों को फीस के लिए परेशान न करने का निर्देश दिया है। इसके बावजूद 5 जून 20 को याचियों से फीस जमा करने के लिए कालेज कार्यवाई कर रहा है। हाईकोर्ट ने 23 अगस्त 18 को महानिदेशक चिकित्सा शिक्षा को भी निर्णय लेने का निर्देश दिया है। जिस पर निर्णय नहीं लिया गया है। अपर महाधिवक्ता ने भी कहा कि सरकारी आदेश को रद्दी पेपर नहीं बनने दिया जायेगा। कानून के तहत तय फीस ही ली जा सकती है।

प्रमुख सचिव सिंचाई टी वेंकटेश को निर्देश

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने प्रमुख सचिव टी वेंकटेश, इंजीनियर इन चीफ व अन्य अधिकारियों को सिंचाई विभाग में ग्रुप सी पद से जूनियर इंजीनियर सिविल पद पर प्रोन्नति प्रक्रिया पूरी कर 23 नवम्बर तक अनुपालन रिपोर्ट पेश करने का निर्देश दिया है। कोर्ट ने कहा है कि यदि आदेश का पालन नहीं करते तो प्रमुख सचिव टी वेंकटेश व संबंधित अधिकारी कोर्ट में हाजिर हो। यह आदेश न्यायमूर्ति एम.सी त्रिपाठी ने मनोज कुमार सिंह व 32 ग्रुप सी कर्मचारियों की अवमानना याचिका पर दिया है। 16 नवम्बर 19 को हाईकोर्ट ने याचियों को प्रोन्नति देने की प्रक्रिया छह माह मे पूरी करने का निर्देश दिया है। जिसका पालन न करने पर यह याचिका दाखिल की गई है। नियमानुसार जूनियर इंजीनियर पद पर 90 फीसदी सीधी भर्ती और 10 फीसदी प्रोन्नति से भरा जाना है। 26 फरवरी 16 को चीफ इंजीनियर ने प्रोन्नति प्रक्रिया शुरू की। कुछ भ्रम के कारण स्थगित कर दिया गया। कोर्ट ने प्रोन्नति प्रक्रिया पूरी करने का निर्देश दिया है। जूनियर इंजीनियर मैकेनिकल पद पर प्रोन्नति कर दी गयी है किन्तु सिविल की प्रोन्नति रुकी हुई है। सरकारी वकील का कहना था कि अधिकारियों की सेवानिवृत्ति या तबादले के कारण आदेश का पालन नहीं हो सका। कोर्ट ने याची को नये अधिकारियों को पक्षकार बनाने की अर्जी दाखिल करने का निर्देश दिया है। याचिका की सुनवाई 23 नवम्बर को होगी।

ग्राम प्रधान के वित्तीय एवं प्रशासनिक अधिकार समाप्त करने का आदेश निरस्त

प्रयागराज। इलाहाबाद हईकोर्ट ने औरैया की ग्राम पंचायत शेखूपुर विकासखंड आधार सिंह के ग्राम प्रधान उमेश के वित्तीय और प्रशासनिक अधिकार सीज करने के जिलाधिकारी औरैया ने आदेश आठ सितंबर 2020 का आदेश रद्द कर दिया है। डीएम ने उ.प्र पंचायत राज अधिनियम की धारा 95(1)(छ) की कार्यवाही करते हुए ग्राम प्रधान के अधिकार जब्त कर लिए थे। ग्राम प्रधान उमेश सिंह ने उक्त आदेश को उच्च न्यायालय के समक्ष चुनौती दी थी। याची के ओर से अधिवक्ता ने कहा कि कथित अनियमितताओं के सम्बंध में ग्राम प्रधान ने विस्तृत जवाब जिलाधिकारी के समक्ष प्रस्तुत किया परंतु जिलाधिकारी ने केवल कार्यालय आख्या के आधार पर उक्त आदेश पारित कर दिया। उन्होंने आदेश पारित करते समय अपने न्यायिक विवेक का प्रयोग नहीं किया। इसलिए आदेश निरस्त किए जाने योग्य है। याचिका पर सुनवाई कर रहे न्यायमूर्ति अश्वनी कुमार मिश्र ने दोनों पक्षों की दलील सुनने के बाद कहा कि पंचायती राज एक्ट में डीएम कार्यवाही करने के लिए सक्षम प्राधिकारी है। इसलिए निर्णय लेते समय उसके द्वारा विवेक का प्रयोग किया जाना जरूरी है। इस मामले में ऐसा नहीं किया गया है तथ्यों को विधिवत परखे बिना निर्णय किया गया है। कोर्ट ने डीएम के आदेश को रद्द करते हुए नए सिरे से नियमानुसार निर्णय लेने की छूट दी है।

एसआरएन में महिला की मौत शव न देने पर हंगामा

डिलीवरी के पश्चात डॉक्टरों ने बताया कोरोना पाजिटिव

खीरी। कोरांव तहसील क्षेत्र के थाना खीरी अंतर्गत बघोल ग्राम सभा में एक महिला को डिलीवरी की आशंका होने पर गांव की आशा द्वारा लेड़ियारी प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया। जहां पर महिला ने एक स्वस्थ बच्ची को जन्म दिया । तत्पश्चात खून जारी रहने पर महिला के परिजन कोराव के एक निजी अस्पताल ले गए। वहां भी राहत न मिलने पर परिजन नारीबारी के एक निजी अस्पताल इलाज हेतु ले गए। वहां से भी राहत न मिल पाने के कारण स्वरूप रानी अस्पताल में भर्ती कराया। इलाज जारी होने के बाद उक्त महिला को कोरोना वार्ड के तरफ शिफ्ट कर दिया गया। जिस पर परिजनों ने नाराजगी जाहिर की। किंतु कोई सफलता नहीं मिला। तत्पश्चात 1 दिन बाद महिला को कोरोना पाजिटिव बताते हुए कोरोना वार्ड में बेड संख्या आठ पर भर्ती कर दिया गया। तदुपरांत 1 दिन पश्चात परिजनों को यह बताते हुए कहा गया कि तुम्हारे मरीज की मौत हो चुकी है। परिजनों ने शव की मांग की तो धमकी देते हुए कहां गया कि दूर से ही सबको देख लो।

उस पर परिजनों ने आक्रोश जताते हुए शव को बिना देखे ही मायूस अवस्था में अपने गांव चले गए ।मामला खीरी थाना क्षेत्र के बघोल ग्राम सभा के नीना देवी उम्र 22 वर्ष पत्नी सोनू पुत्र धर्मराज ,वही नवजात जन्मी बच्ची अभी जीवित बताई जा रही है जोकि परिजनों के पास है। मौत के पश्चात सर्वे कराया गया तो परिजन और पड़ोसी 27 व्यक्ति है।

ग्राहक सेवा केन्द्र संचालक के साथ 41 हजार की लूट

प्रयागराज। उतरांव थाना क्षेत्र के दमगड़ा गांव के पास एक सुनसान रास्ते में बैंक ग्राहक सेवा केंद्र संचालक से नकाबपोश बदमाशों ने 41 हजार की लूट कर फरार हो गए। सूचना पर एसपी गंगापार धवल जयसवाल सीओ हण्डिया समेत भारी मात्रा में मौके पर पुलिस पहुंची। सीकी थाना हण्डिया निवासी अर्जुन भारतीय पुत्र हरिराम जो कटाहरा में बड़ौदा उत्तर प्रदेश ग्रामीण बैंक का संचालक है। शुक्रवार शाम को ग्राहक सेवा केंद्र बंद कर अपने घर के लिए जा रहा था। जैसे ही उतराव थाना क्षेत्र के दमगड़ा गांव में पहुंचा था कि आगे सूनसान कच्ची सड़क पर बदमाश नकाबपोश में सीडी डीलक्स गाड़ी में पर बैठे थे। ग्राहक सेवा केंद्र संचालक अर्जुन शाम 6:00 बजे के लगभग जैसे ही पहुंचा की बदमाश टूट पड़े।वही एक बदमाश ने संचालक पर कट्टा सटाके बैग में रखे एक 41हजार निकाल लिया। देखते ही देखते बैंक संचालक बदमाश से भिड़ गया। संचालक को बदमाश से भिड़ते देख एक बदमाश बाइक लेकर फरार हो गया। वहीं संचालक के मुताबिक कट्टा खेत में गिर गया। संचालक ने बताया कि बैग में रखे 70000 के लगभग पैसा रखा हुआ था। जिसमे 41 हजार की गड्डी बदमाश लेकर फरार हो गए।

डाकघर जसरा में अधार कार्ड बनाने व संशोधन के नाम पर जमकर धनउगाही

आधार कार्ड बनाते डाक कर्मी

जसरा। भारत सरकार भले ही देश की जनता के लिए आधार कार्ड बनवाने व संशोधन में होने वाली असुविधा को दूर करने के लिए सरकार द्वारा संचालित डाकघरों और बैंकों में आधार कार्ड संशोधन व नए आधार कार्ड बनवाने की सुविधा को सुचारू रूप से नियमित किया गया हो लेकिन डाकघर जसरा में नियुक्त कर्मचारी आधार कार्ड संशोधन व नया आधार कार्ड बनाने के नाम पर आम जनता से जमकर धन उगाही करने में जुटे हुए हैं। आधार बनवाने गए लोगों द्वारा रुपया न देने पर कर्मचारियों द्वारा जनता के साथ अभद्रता किया जाता है।

जसरा बाजार में इन दिनों पोस्ट ऑफिस जसरा में आधार कार्ड बनवाने के लिए लोगों का प्रतिदिन हुजूम इकट्ठा हो रहा है। आधार बनवाने वाले लोगों ने बताया कि आधार कार्ड के लिए पोस्ट ऑफिस में तैनात कर्मचारियों द्वारा 200 से लेकर 500 तक सुविधा शुल्क देने पर ही लोगों का आधार कार्ड बनवाया जा रहा है। अगर किसी ने सुविधा शुल्क देने से इनकार कर दिया तो उसे कर्मचारियों के कोप का भाजन होना पड़ता है। इसकी शिकायत लोगों द्वारा वहां के पोस्ट मास्टर से करने पर लोगों को डांट कर वहां से भगा दिया जाता है। जबकि सरकार द्वारा नए आधार के साथ संशोधन के लिए एक निर्धारित शुल्क तय है। लेकिन पोस्ट ऑफिस के कर्मचारियों की मनमानी से क्षेत्रीय जनता पूरी तरह त्रस्त हो चुकी है। इस संबंध में विभागीय अधिकारियों से बात करना चाहा लेकिन फोन पर बात नहीं हो सकी। वहीं आधार बनवाने गए लोगों ने बताया कि अगर इसी तरह का भ्रष्टाचार चलता रहा तो लोगों को तहसील दिवस में इसकी शिकायत करने के लिए बाध्य होना पड़ेगा।

'जियरा हारि गवा बा प्रभु जी सुना बचनिया, किसनिया जियरा मारे हमरा'

उपस्थित श्रोतागण व गीत प्रस्तुत करते कवि कलाकार

करछना। अपनी माटी के लोकरंग, बुजुर्गों की थाती और लोकपरम्परा को सहेज रहे रामपुर स्थित लोक-मंगल संस्थान में जुटे कवि, कलाकारों ने किसानों, जवानों को समर्पित कार्यक्रम में खूब समां बांधी। कार्यक्रम की शुरूआत में सभी का स्वागत करते हुए निदेशक और जागृति मिशन के संयोजक डॉ भगवत पाण्डेय ने कहा कि अपनी माटी, लोक-संस्कृति, हमारे संस्कार, किसान, जवान ही हमारी शान और पहचान हैं। मिशन और लोक-मंगल संस्थान इन्हें संजोने और हर परिस्थिति में इनकी खुशहाली, जरूरत और दर्द के साथ सभी को साथ लेकर खड़ा रहेगा। कार्यक्रम के दौरान लोककलाकार बृजेश मिश्रा ने किसानों का दर्द बयां करते गीत में कहा, जियरा हारि गवा बा प्रभु जी सुना बचनिया, किसनिया जियरा मारइ हमरा। प्रधानाचार्य लोककवि रामलोचन सांवरिया ने संस्थान का उद्देश्य बताते हुए प्रस्तुत रचना में किसानों की व्यथा बयां की,दिन रात काम कै चक्की मां,पिसि कै पिसान होइगा किसान। खादी के दाम आकाश छुवै, ऊपर से पनिऔना, लगान।

बालक लाकार अतुल मिश्रा, राजेश यादव, मोहिनी श्रीवास्तव, कुलदीप शर्मा, मोनू मस्ताना द्वारा गाते गाते कजरी, जंतसार, पंवारा गीतों में खेती-किसानी की हकीकत बयां किया। कवि सुशील हर्ष और बबलू सिंह बहियारी की कविताओं ने राष्ट्र प्रेम प्रगाढ़ करते हुए सरहद पर खड़े जवानों का अभिनन्दन किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता महाकवि त्रिफला और संचालन हास्य कवि अशोक बेसरम ने किया। इस मौके पर तीर्थराज पाण्डेय, फतेहबहादुर सिंह रिषिराज, श्यामलाल बेगाना, रामबाबू यादव, जीतेन्द्र मिश्रा, वेद श्रीवास्तव, पप्पू परसिया, प्रेम निषाद, राजमणि चौधरी, विजय पाल, रजत मिश्रा, इन्द्रजीत यादव, विनोद पाण्डेय, अनुभव पटेल सहित संस्थान के लोग, कवि, कलाकार और संगीत प्रेमी मौजूद रहे।

41 विद्युत समस्याओं का किया गया निस्तारण

नवाबगंज। शुक्रवार को कौड़िहार पावर हाउस पर विद्युत विभाग द्वारा शिकायत निवारण महाकैम्प के आयोजन किया गया जिसमें 41 विद्युत समस्याओं का मौके पे निस्तारण किया गया तथा 128000 रुपये की वसूली की गई, तथा बिल के बकाए पर 23 लोगों का विद्युत कनेक्शन काटा गया,एस डी ओ विद्युत फाफामऊ हर्ष गुप्ता ने बताया कि उप खंड फाफामऊ के अंतर्गत कुल 90 शिकायतों का निस्तारण किया गया 90 उपभोक्ताओं की बकाए पर कनेक्शन काटा गया तथा 60 हजार रुपये की वसूली की गई और रविवार को भी महाकैम्प लगाया जाएगा जिसमे उपभोक्ता अपनी किसी भी प्रकार की शिकायत दर्ज करा सकते हैं तथा उसका निवारण विभाग द्वारा तत्काल किया जाएगा, इस अवसर पर एस डी ओ हर्ष गुप्ता, अवर अभियंता अशोक कुमार, आदि मौजूद रहे।

कल्याण आयुक्त का जमुनापार में व्यापक भ्रमण

उपकर आयुक्त चन्द्र देव लोगों को जागरूक करते हुए

कोरांव। भारत सरकार के कल्याण एवं उपकर आयुक्त प्रयागराज चन्द्र देव ने कहा है कि श्रमिक संगठन के लोग बीड़ी और बीओसी के श्रमिक सदस्य पीएमएसवाई योजना का अधिक से अधिक पंजीकरण कराएं, जिससे उनका विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं का लाभ मिल सके। श्री चन्द्र देव तथा बीओसीबोर्ड के सदस्य राजनाथ एडवोकेट ने लोगों को जागरूक किया।

कल्याण व उपकर आयुक्त ने कहा कि बीड़ी मजदूरों को पेंशन योजना का लाभ मिलेगा। और 5 लाख तक की गम्भीर बीमारियों में भी उन्हें आयुष्मान भारत योजना से लिंक कर दिया जाएगा। उन्होंने कहा की मेजर स्किम बीड़ी मजदूरों के लिए बेहतर है। और उन्हें सरकारी या पंजीकृत अस्पतालों में उनका इलाज फ्री में हो जाएगा। उनका 5 लाख तक का खर्च सरकार वहन करेगी। यह भी बताया कि ऐसे श्रमिको के बच्चों के लिए वजीफा मिल रहा है। लोग ऑनलाइन आवेदन नहीं कर रहे जिससे सरकार का पैसा वापिस चला जा रहा है। उसका लोग ज्यादा से ज्यादा लाभ उठाएं। उन्होंने कहा कि यूपी में लगभग 4 लाख 63 हजार बीड़ी मजदूर पंजीकृत हैं। किंतु कम्प्यूटराइज्ड नहीं हैं। उनके लिए कम्प्यूटराइज्ड करने का कार्य शुरू है। जबकि बीओसीबोर्ड में तकरीबन 48 लाख श्रमिक पंजीकृत हैं। आयुक्त ने बताया कि बीड़ी मजदूरों का एक ही बार कार्ड बनता है जीवन भर चलता है नवीनीकरण नहीं होता। चन्द्र देव व राजनाथ बोर्ड मेम्बर ने सहज जन सेवा केंद्रों से सम्पर्क किया और ज्यादा से ज्यादा पीएमएस वाईएम योजना का श्रमिकों का पंजीकरण कराने तथा प्रति पंजीकरण 30 रुपये का लाभ अर्जित करने का आह्वान किया।

कल्यान आयुक्त ने मिस्कीन सेवा संस्थान ट्रस्ट श्रमिक संगठन कार्यालय पर उपस्थित श्रमिकों और श्रमिक लीडरों से वार्ता की। बीओसी के भी श्रमिकों ने भी अपनी समस्याएं सुनाई। कुछ जगहों पर उन्हें मजदूरों ने बताया कि साहब हम लोग गरीब मजदूर हैं योजना के आवेदन साल भर से किये है नहीं मिला किन्तु अपात्रों को मिल रहा। अंशदान 40 माह के अंदर न नवीनीकरण होने वाले कार्ड धारकों का निरस्तीकरण होने व नया आवेदन करने पर न बनने की भी शिकायतें की। उन्होंने सारी समस्याएं श्रम विभाग के अफसरों के सामने रख कर हल कराने की बात कही।

बिजली बिल में गड़बड़ी व स्मार्ट मीटर से परेशानी के खिलाफ जनहित याचिका खारिज

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने बिजली बिल में गड़बड़ी और स्मार्ट मीटर से उपभोक्ताओं को हो रही परेशानी को लेकर दाखिल जनिहित याचिका खारिज कर दी है। कोर्ट का मानना था कि याचिका सिर्फ समाचार पत्रों में प्रकाशित खबरों के आधार पर दाखिल की गई है। जबकि इसमें पीड़ित उपभोक्ताओं का कोई पक्ष नहीं रखा गया है। याचिका समाजसेवी योगेंद्र कुमार पांडेय और अधिवक्ता पूजा मिश्रा की ओर से दाखिल की गई थी। इस पर न्यायमूर्ति एमएन भंडारी और न्यायमूर्ति विवेक अग्रवाल की पीठ ने सुनवाई की। याचिका पर अधिवक्ता विजय चंद्र श्रीवास्तव, शरद चंद्र मिश्र, सुनीता शर्मा आदि ने पक्ष रखा। इनका कहना था कि खराब स्मार्ट मीटरों से उपभोक्ताओं को काफी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। विभाग के अधिकारी गलत बिल भेज रहे हैं और फिर उनको दुरुस्त करने के नाम पर धांधली की जा रही है। कोर्ट का कहना था कि इसमें उपभोक्ताओं की शिकायतों या उनके गलत बिलों के प्रमाण नहीं लगाए गए हैं। कोर्ट ने याचिका वापस लिए जाने के आधार पर इसे खारिज कर दिया और बेहतर याचिका दाखिल करने की छूट दी है। अधिवक्ता का कहना है कि उन्होंने तमाम उपभोक्ताओं से संपर्क कर उनके गलत बिजली के बिल और शिकायतें मांगी हैं। यदि कोई भी उपभोक्ता स्मार्ट मीटर से परेशान है तो वह अपनी शिकायत और बिल की प्रति उन्हें भेज सकता है।

प्रयागराज हलचल

संक्षेप समाचार

सहायक वन संरक्षक व क्षेत्रीय वन अधिकारी का परिणाम घोषित

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग, प्रयागराज ने शनिवार को सहायक वन संरक्षक तथा क्षेत्रीय वन अधिकारी परीक्षा 2017 का परिणाम घोषित कर दिया है। जिसे आयोग के सूचनापट्ट एवं वेबसाइट पर भी देखा जा सकता है। आयोग के सचिव जगदीश के अनुसार सहायक वन संरक्षक तथा क्षेत्रीय वन अधिकारी परीक्षा 2017 (सामान्य चयन व विशेष चयन) के लिखित परीक्षा का परिणाम 05 अगस्त 2020 को घोषित किया गया था। उक्त परीक्षा परिणाम के आधार पर सफल घोषित अभ्यर्थियों का साक्षात्कार एक से चार सितम्बर 2020 तक सम्पन्न किया गया। प्रश्नगत परीक्षा के सामान्य चयन की कुल 65 रिक्तियों के सापेक्ष कुल 65 अभ्यर्थियों को एवं विशेष चयन की कुल 72 रिक्तियों के सापेक्ष कुल 72 अभ्यर्थियों को अंतिम रूप से सफल घोषित किया गया है। सचिव ने बताया है कि सफल घोषित जिन अभ्यर्थियों के सम्मुख प्रोविजनल शब्द अंकित है, उनसे अपेक्षा की जाती है कि वे आयोग द्वारा वांछित समस्त मूल प्रमाण पत्र पत्रादि साक्षात्कार परिषद द्वारा दिये गये समय के अंदर अवश्य प्रस्तुत कर दें। अन्यथा उनका अभ्यर्थन निरस्त कर दिया जायेगा।

माफिया बच्चा पासी का मकान हुआ ध्वस्त

प्रयागराज। योगी सरकार का माफियाओं पर शिकंजा कसता ही जा रहा है इसी क्रम में शनिवार को पीडीए का बुलडोजर धूमनगंज थाना क्षेत्र के रम्मन का पुरवा में माफिया बच्चा पासी के दो मंजिला मकान को ध्वस्त करने पहुंचा और देखते ही देखते पीडीए का बुलडोजर मकान को ध्वस्त कर दिया। इस मौके पर पीडीए के अधिकारियों के साथ काफी संख्या में पुलिस बल मौजूद रही। योगी सरकार का चाबुक माफिया अतीक अहमद, दिलीप मिश्रा और माफिया शार्प शूटर राजेश यादव का मकान ध्वस्त करने के बाद प्रयागराज विकास प्राधिकरण ने आपरेशन के तहत शनिवार को धूमनगंज थाना क्षेत्र के सुलेमसरांय में हिस्ट्रीशीटर बच्चा पासी के मकान को ध्वस्त कर दिया। विकास प्राधिकरण के अधिकारी शनिवार को सुबह

अर्वध मकान ध्वस्त करता पीडीए का बुल्डोजर व मौजूद पुलिस

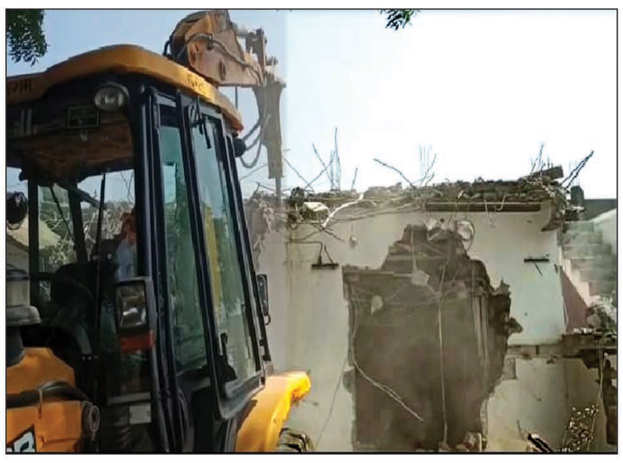

करीब दस बजे बड़ी संख्या में पुलिस और फोर्स के साथ बच्चा पासी के धूमनगंज सुलेमसराय स्थित रम्मन का पुरवा मुहल्ले में पहुंचे। इससे मुहल्ले में अफरा तफरी मच गई। कुछ ही देर में अधिकारियों ने बच्चा पासी के आलीशान मकान को बुलडोजर से ध्वस्त करना शुरू कर दिया। हिस्ट्रीशीटर बच्चा पासी के खिलाफ धूमनगंज थाना सहित शहर और कौशाम्बी के विभिन्न थानों में हत्या व धमकी, लूट, रंगदारी, फिरौती, अपहरण, जमीन पर कब्जे सहित विभिन्न धाराओं में दो दर्जन से अधिक मुकदमें दर्ज हैं। गत दिनों शासन की ओर से जारी माफिया और हिस्ट्रीशीटरों की सूची में बच्चा पासी का नाम भी शामिल था।

जिस सदन से पेंशन खत्म हुई उसी सदन से बहाल होगी : डॉ हरि प्रकाश

अटेवा के पदाधिकारीगण

प्रयागराज। न्यू पेंशन स्कीम व निजीकरण के विरुद्ध अटेवा पेंशन बचाओ मंच उत्तर प्रदेश के प्रदेश उपाध्यक्ष डॉ. हरि प्रकाश यादव ने कहा कि पुरानी पेंशन जिस सदन द्वारा कानून बनाकर खत्म किया गया, उसी सदन को हम लोग पुरानी पेंशन बहाली का कानून बनाने के लिए मजबूर कर देंगे।

प्रदेश उपाध्यक्ष ने अन्य पदाधिकारियों के साथ पुरानी पेंशन व्यवस्था बहाली के लिए जन जागरूकता अभियान के क्रम में विकासखण्ड मेजा और कोरांव का दौरा कर विभिन्न स्थानों पर सभाएं की। उन्होंने कहा कि अटेवा पुरानी पेंशन बहाली के लिए कल संघर्षरत था, आज संघर्ष कर रहा है और कल भी संघर्ष करेगा। संघर्ष की रणनीति बदल सकती है और अटेवा पूरे प्रदेश में एमएलसी प्रत्याशी उतारना रणनीति का ही एक हिस्सा है। पेंशन विहीन चुनकर जब सदन में जाएगा तो वह पुरानी पेंशन बहाली का मुद्दा पूरे मजबूती के साथ उठाएगा।

प्रदेश प्रवक्ता उपेंद्र वर्मा ने कहा कि अटेवा द्वारा घोषित सभी प्रत्याशी स्टांप पेपर पर लिख कर देंगे कि जब तक सभी शिक्षकों और कर्मचारियों की पुरानी पेंशन बहाल नहीं करा देंगे तब तक पेंशन भत्ता नहीं लेंगे तथा जीतने के बाद किसी भी राजनैतिक दल की सदस्यता नहीं लेंगे। इस दौरान मण्डल अध्यक्ष सुधीर गुप्ता, जिला संरक्षक सुरेंद्र प्रताप सिंह, जिला संयोजक अशोक कुमार कनौजिया जिला मंत्री अजय विश्वकर्मा सहित अन्य लोग मौजूद रहे।

समाधान दिवस को सक्रिय बनाने की पहल शुरू

प्रयागराज। पब्लिक की समस्याओं के निस्तारण के लिए समाधान दिवस को फिर सक्रिय किया जा रहा है। शनिवार को जनपद के सभी थानों में सुबह 10 बजे से दोपहर तक पुलिस, राजस्व व अन्य विभाग के अधिकारियों ने पब्लिक की समस्याएं सुनी और उनका निस्तारण किया। आईजी केपी सिंह कर्नलगंज और सोरांव थाने में समाधान दिवस में पहुंचे और वहां का इंतजाम देखा। आईजी केपी सिंह ने बताया कि समाधान दिवस को सफल बनाने के लिए उन्होंने कई थाना समेत अन्य जगहों पर जाकर निरीक्षण किया। थानों में देखा कि समाधान दिवस पर क्या इंतजाम है। सोशल डिस्टेंसिंग का पालन हो रहा है या नहीं। थानों में बनाई गई कोरोना हेल्प डेस्क काम कर रही है कि नहीं। आईजी ने अधिकारियों और थानेदारों को निर्देश दिया गया है कि वे संबंधित विभाग के अधिकारी से संपर्क करके समाधान दिवस पर पब्लिक की समस्याओं का निस्तारण करें। आईजी सोरांव थाने में पीड़ितों से मिले और उनकी समस्याओं का निस्तारण किया।

सेना में फर्जी भर्ती कराने वाला सेवानृवित्त सेना का जवान एसटीएफ के हत्थे चढ़ा

प्रयागराज। सेना में फर्जी तरह से भर्ती कराने वाले गिरोह के सक्रिय सदस्य सेवानृवित्त सेना के जवान को एसटीएफ की प्रयागराज फील्ड इकाई ने शनिवार को कम्पनी बाग के समीप से गिरफ्तार किया। टीम ने उसके कब्जे से एक मोबाइल, एक मोटर साइकिल एवं बारह सौ नगद रूपया बरामद किया है।

उक्त जानकारी देते हुए अपर पुलिस अधीक्षक एसटीएफ नीरज कुमार पाण्डेय ने पकड़ा गया आरोपित कौशाम्बी जनपद के सैनी थाना क्षेत्र के शाखा गांव निवासी मुलायम सिंह यादव उर्फ अजय उर्फ सोनू पुत्र राम अभिलाष्ज्ञ यादव है।

गौरतलब है कि 19 जनवरी 2020 को एसटीएफ ने प्रयागराज फील्ड इकाई की टीम ने सेना में फर्जी तरीके से भर्ती एवं मेडिकल में अनफिट अभ्यार्थियों को पास कराने वाले गिरोह का खुलासा करते हुए दो सेना के जवान समेत चार लोगों को गिरफ्तार किया था। टीम ने गिरोह के सदस्यों के कब्जे से कई दस्तावेज एवं भारी धनराशि बरामद किया था और इस सम्बन्ध में कर्नलगंज थाने में मुकदमा दर्ज कराया था। इस मामले की विवेचना क्षेत्राधिकारी कर्नलगंज कर रहे है।

उक्त मामले में एसटीएफ लखनऊ कार्यालय से जारी निर्देश के मुताबिक प्रयागराज फील्ड इकाई के निरीक्षक के.सी.राय एवं निरीक्षक अतुल कुमार सिंह की टीम पूरे गिरोह के अन्य सदस्यों की तलाश में लगी हुई थी। मुखबिर की सूचना पर कम्पनी बाग के समीप से उक्त आरोपित को गिरफ्तार किया। पूंछताछ के दौरान मुलायम सिंह यादव ने टीम से बताया कि वह सेना में जे.डी. कास्टेबल के पद पर 2003 में नौकरी पा गया। अप्रैल 2020 में सेना से सेवानिवृत्त होकर वापस आ गया। जिसके बाद सेना में भर्ती कराने के लिए अपने परिचित लखनऊ के पवन उर्फ स्वप्निल सूर्यवंशी के साथ मिलकर काम शुरू कर दिया। इसी क्रम में अपने रिश्तेदार मनीष सिंह यादव का सहयोग लेकर दो से डाई लाख रूपए लेकर सेना में भर्ती कराने के लिए अभ्यार्थियों से तय करता था और प्रदीप सिंह यादव एवं संजय कुमार पाण्डेय का सहयोग लेकर इस गोरख धन्धा में जुड़ा हुआ था। उन्होंने बताया कि इस सम्बन्ध में कर्नलगंज थाने में विधिक कार्रवाई पूरा करने के बाद उसे जेल भेजा जाएगा।

लोडेड पिस्टल के साथ दो शातिर गिरफ्तार, पूछताछ जारी

नैनी। औद्योगिक क्षेत्र के लवायन कला गांव के समीप गंगा घाट के किनारे शनिवार शाम को नशा कर रहे दो संदिग्ध युवकों को क्षेत्राधिकारी करछना ने गिरफ्तार कर उनके कब्जे से सात राउंड की लोडेड पिस्टल व बाइक सहित नशे का साजो सामान को बरामद किया है। आरोपियों से पुलिस पूछताछ करने में जुटी हुई है। आंशका जताया जा रहा है कि उक्त दोनों शातिर अपराधी किस्म के हैं और इलाके में हो रही लूट और छिनैती की घटनाओं में उनकी संलिप्तता हो। साथ ही पुलिस उनका आपराधिक रिकार्ड भी खंगाल रही है। शनिवार शाम को क्षेत्राधिकारी करछना एएसपी सोमेंद्र मीणा औद्योगिक क्षेत्र इलाके में राउंड पर थे, तभी जरिए मुखबीर से उन्हें सूचना मिली की लवायन कला गांव के समीप गंगा घाट के समीप कुछ अपराधी तत्व किस्म के लोग मौजूद हैं। सटीक सूचना मिलने पर वह अपनी टीम के साथ मौके पर पहुंचे तो वहां बैठकर नशा कर रहे दो युवक पुलिस टीम को देखकर भागने लगे। पुलिस ने दोनों को घेराबंदी करते हुए पकड़ लिया। तलाशी के दौरान एक सात राउंड की लोडेड पिस्टल व बाइक बरामद हुई। जबकि बरामद बाइक में अंकित नंबर प्लेट फर्जी निकला। क्षेत्राधिकारी करछना एएसपी सोमेंद्र मीणा ने बताया कि पकड़े गए शातिर औघोगिक क्षेत्र स्थित चटकहाना गांव निवासी रोहित तिवारी पुत्र स्वर्गीय विनय तिवारी व उसका साथी महुआरी गांव निवासी अंशुमान पुत्र जयकेश हैं। हालांकि समाचार लिखे जाने तक पकड़े गए आरोपियों से पूछताछ जारी थी।

बढ़ती बेरोजगारी को दूर करने के सरकारी दावे फेल

प्रयागराज। समाजवादी पार्टी के वरिष्ठ नेता और विधान परिषद सदस्य बासुदेव यादव ने प्रदेश की भाजपा सरकार पर बेरोजगारी को दूर करने के दावों को हवा हवाई और प्रदेश के नौजवानों, बेरोजगारों को गुमराह करने का आरोप लगाते हुए कहा है कि भाजपा सरकार में बेरोजगार, नौजवान पूरी तरह से हताश और निराश है।

गत दिनों बुलाए गए विधानपरिषद के द्वितीय सत्र में एमएल सी बासुदेव यादव ने इस संबंध प्रदेश के श्रम एवं सेवायोजन मंत्री से सवाल किया था कि पूरे प्रदेश में और जनपद प्रयागराज में कुल पंजीकृत बेरोजगारों की संख्या कितनी है?, स्नातक शिक्षा प्राप्त और तकनीकी योग्यता धारी बेरोजगारों की अलग अलग संख्या और विगत वित्तीय वर्ष 2017 से लेकर अभी तक कितने लोगों को रोजगार दिए? इस दिशा में किस तरह के सरकारी प्रयास किए जा रहे हैं' सरकारी नौकरी कितनी दी गई है।

इन प्रश्नों के जवाब में प्रदेश सरकार की ओर से जो जवाब दिया गया है वह बेहद निराशाजनक और गोल मोल हैं। सरकारी नौकारियों का कोई आंकड़ा नहीं दिया गया है। जबकि प्रदेश के मुख्यमंत्री और उनके मंत्रियों द्वारा लगातार बड़े बड़े दावे किए जा रहे हैं। प्रदेश सरकार द्वारा जो जवाब दिया गया है उसके अनुसार पूरे प्रदेश में सेवायोजन के पोर्टल पर 6 अगस्त 2020 तक आनलाइन पंजीकृत बेरोजगारों की संख्या 3473254 है जबकि अकेले प्रयागराज में यह संख्या 175368 है। प्रदेश में स्नातक शिक्षा प्राप्त बेरोजगारों की संख्या 789976और तकनीकी योग्यता धारी की संख्या 163720 है। प्रयागराज में यह संख्या

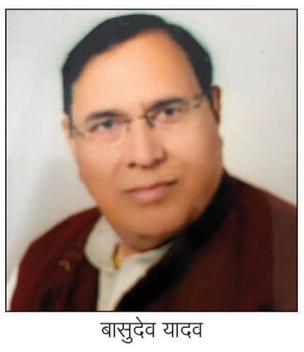

बासुदेव यादव

क्रमशः 30484 और 8487 है। वित्तीय वर्ष 2017 से लेकर अब तक कुल 50 रोजगार मेलों के जरिए महज 60150 लोंगो को निजी क्षेत्र में रोजगार के लिए चयानित किया गया है ' पूरे प्रदेश में जो संख्या दशार्यी गई है वह 316412 है।

विधानपरिषद सदस्य बासुदेव यादव ने कहा है कि लाकडाउन के दौरान अपने घरों को लौट आए बेरोजगारों को रोजगार देने की दिशा में अभी तक कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया है ' सरकार की ओर से बेरोजगारी दूर करने के लिए जो उपाय किए गए हैं वह नाकाफी है। सरकारी नौकरी में वृध्दि, खाली पड़े पदों पर नियुक्ति, निजी क्षेत्र की कंपनियों में कम्पनी की ओर से मेले लगाकर रोजगार देने के सार्थक प्रयास किए जाने चाहिए। भारी संख्या में प्रदेश में बेरोजगारी है जिससे आर्थिक विकास अवरुद्ध हो गया है। उन्होने भाजपा सरकार को किसानों, नौजवानों, मजदूरों सहित आम आदमी के मुद्दों पर पूरी तरह से फेल बताते हुए दावा किया है कि समाजवादीपार्टी की सरकार बनने पर ही श्री अखिलेश यादव जी के नेतृत्व में प्रदेश विकास के रास्ते पर चल सकता है।

राम बारात, काली नृत्य पर प्रशासन ने लगाई रोक

प्रयागराज। कोरोना काल में सबसे पहले 12 अक्तूबर से श्री दारागंज की रामलीला शुरू होगी लेकिन रामलीला के दौरान इस बार निकलने वाली राम बारात, मां काली का नृत्य और हनुमान दल पर प्रशासन ने रोक लगा दी है। महासंघ के अध्यक्ष फूलचंद दुबे के नेतृत्व में एक प्रतिनिधिमंडल एडीएम सिटी अशोक कुमार कनौजिया व एसपी सिटी दिनेश कुमार सिंह से मिलने गया था। मुलाकात के दौरान अधिकारियों ने कहा कि कोरोना के कारण सड़क पर कोई आयोजन संभव नहीं है। सिर्फ बन्द कमरे में दो गज की दूरी रखते हुए आयोजन हो सकते हैं। प्रतिनिधिमंडल में अध्यक्ष कुल्लू यादव, जितेंद्र गौड़, तीर्थराज पांडेय, जगदीश प्रसाद मौजूद रहे।

भीड़ का पुलिस पर हमला सभ्य समाज की जड़ पर हमला : हाईकोर्ट

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने कहा है कि भीड़ का सड़क जाम कर कानून हाथ में लेकर पुलिस पर पत्थर, राड, लाठी आदि से हमला करना सभ्य समाज की जड़ पर हमला है। कोर्ट में दाखिल पेपर को देखने से स्पष्ट है कि लोगों ने कानून की खुली अवहेलना की है और पुलिस पर हमला किया गया है। कोर्ट ने बिजनौर के श्योहरा थाना क्षेत्र के साहसपीर गांव के दो से तीन सौ लोगों का सड़क जाम कर पुलिस पर हमले की घटना को लेकर दाखिल चार्जशीट पर हस्तक्षेप करने से इंकार कर दिया है और कहा है कि विचारण न्यायालय नियमानुसार कार्यवाही करेगा। कोर्ट के सम्मन आदेश के खिलाफ चार्जशीट रद करने की मांग में दाखिल याचिका खारिज कर दी है। यह आदेश न्यायमूर्ति जे जे मुनीर ने शहाबुद्दीन व अन्य की याचिका पर दिया है। याचियों का कहना था कि वाहन चेकिंग में पुलिस को रुपए न देने के कारण फर्जी केस में फंसाया गया है। सरकार की तरफ से कहा गया कि तीन लोग मोटर साइकिल से आ रहे थे, चेकिंग में वाहन नहीं रोका और एक कांस्टेबल को धक्का देकर घायल कर दिया। कुल घायल चार लोगों को अस्पताल ले जाते समय दो से तीन सौ गाव के लोगों ने सड़क जाम कर पुलिस पर राड, लाठी से हमला किया। कई पुलिस कर्मी घायल हो गये। 14 मार्च 19 को हेड कांसटेबल राजवीर सिंह ने एफआईआर दर्ज करायी है। 31 मई 19 को चार्जशीट दाखिल की है। जिस पर कोर्ट ने याचियों को सम्मन जारी किया है। जिसे चुनौती दी गयी थी।

डिसरप्टिव तकनीकी के अनुसार शिक्षा में बदलाव से युवाओं को नए क्षेत्रों में रोजगार सम्भव : डॉ उमेश

प्रयागराज। इक्कीसवीं सदी में तकनीकी परिवर्तन बहुत तेज है। ऐसी स्थिति में पुराने रोजगार समाप्त हो रहे हैं और नए रोजगार सृजित हो रहे हैं। ऐसे में इमरजेंसी डिसरप्टिव तकनीकी और उभरते परिवेश के अनुसार पाठ्यक्रम, आधारिक संरचना और शिक्षण के तरीकों में बदलाव आवश्यक है। अच्छी बात यह है कि नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति में इन बेहद महत्वपूर्ण मुद्दों पर भी ध्यान दिया गया है। उक्त विचार विद्या भारती काशी प्रांत के ह्यमाई नेपह्ल अभियान के अंतर्गत राष्ट्रीय शिक्षा नीति पर ऑनलाइन व्याख्यान में मुख्य वक्ता इविंग क्रिस्चियन कॉलेज के अर्थशास्त्र विभाग के अध्यक्ष डॉ. उमेश प्रताप सिंह ने व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि यह शिक्षा नीति क्रिटिकल थिंकिंग एवं एक्सपेरिमेंटल लर्निंग को बढ़ावा देने वाली है। जिससे विद्यार्थी की रचनात्मकता बढ़ेगी। इस नीति में विद्यालयों में ड्रॉपआउट को कम करने, शिक्षा के लागत को प्रभावी बनाने एवं संसाधनों के बेहतर उपयोग करने की मंशा व्यक्त की गई है। आक्टा महासचिव डॉ. सिंह ने बताया कि शिक्षा नीति में उच्च शिक्षा में आमूलचूल परिवर्तन की बात है।

सभी प्रशिक्षुओं को प्रमोट करने की मांग को लेकर युवा मंच ने किया प्रदर्शन

प्रयागराज। डीएलएड के सभी प्रशिक्षुओं को प्रमोट करने की मांग को लेकर युवा मंच ने शनिवार को बालसन चौराहे पर प्रदर्शन किया। प्रदर्शनकारियों का कहना है कि परीक्षा नियामक प्राधिकारी कार्यालय ने द्वितीय सेमेस्टर के प्रशिक्षुओं को तृतीय सेमेस्टर में प्रमोट कर चतुर्थी सेमेस्टर की परीक्षा तिथि घोषित कर दी है। लेकिन जिन प्रशिक्षुओं का बैक लगा है उन्हें द्वितीय सेमेस्टर वर्ष में ही रखा गया है। प्रमोट करने की बात तो दूर उनकी परीक्षा भी नहीं कराई जा रही है। प्रशिक्षुओं की मांग है कि बैक पेपर की परीक्षा लेकर तृतीय सेमेस्टर में उन्हें भी साथ प्रमोट किया जाए और चतुर्थ सेमेस्टर की परीक्षा सभी प्रशिक्षुओं की एक साथ हो। जिससे सभी का सत्र भी एक साथ ही पूरा हो। युवा मंच के अध्यक्ष अनिल सिंह का कहना है कि सरकार व अधिकारियों की वजह से प्रशिक्षुओं को आन्दोलन के लिए मजबूर होना पड़ रहा है।

बालसन चौराहे पर प्रदर्शन करते युवा मंच

प्रयागराज में धरना प्रदर्शन के लिए भूमि चिन्हित

प्रयागराज। जिलाधिकारी भानु चंद्र गोस्वामी ने जिला मुख्यालय पर धरना प्रदर्शन के लिए धरना स्थल सिविल लाइंस स्थित राजकीय बालिका इण्टर कालेज की खाली कराई गयी भूमि को चिन्हित किया है। जिलाधिकारी ने कहा है कि सभी धरना प्रदर्शन, जुलूस, आन्दोलन व सार्वजनिक कार्यक्रम चिन्हित स्थल पर ही होंगे। इसके अलावा शहर के अन्य स्थल पर धरना प्रदर्शन, जुलूस, आन्दोलन और सार्वजनिक कार्यक्रम प्रतिबंधित रहेगा। इसके उल्लंघन पर नियमानुसार विधिक कार्रवाई होगी।

अखण्ड भारत संदेश के लिए स्वामी श्री योगी सत्यम कियायोग आश्रम एवं अनुसंधान सस्थान झूंसी, प्रयागराज 211019 से प्रकाशित एवं रामा प्रिंटिंग प्रेस 53/25/1ए बेली रोड नया कटरा प्रयागराज से मुद्रित।

मुद्रक/प्रकाशक

स्वामी श्री योगी सत्यम

पी0आर0बी0 एक्ट के अन्तर्गत समाचारों के चयन के लिए उत्तरदायी। इस समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों से संबंधित विवादों का न्याय क्षेत्र प्रयागराज होगा। आरएनआई नं0: UPHIN2001/9025

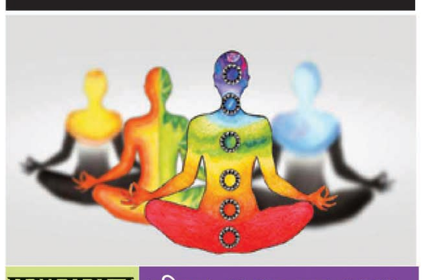

प्रयागराज रविवार, 11 अक्टूबर, 2020

क्रियायोग सन्देश

श्री श्री परमहंस योगानंद जी का अंतिम संदेश

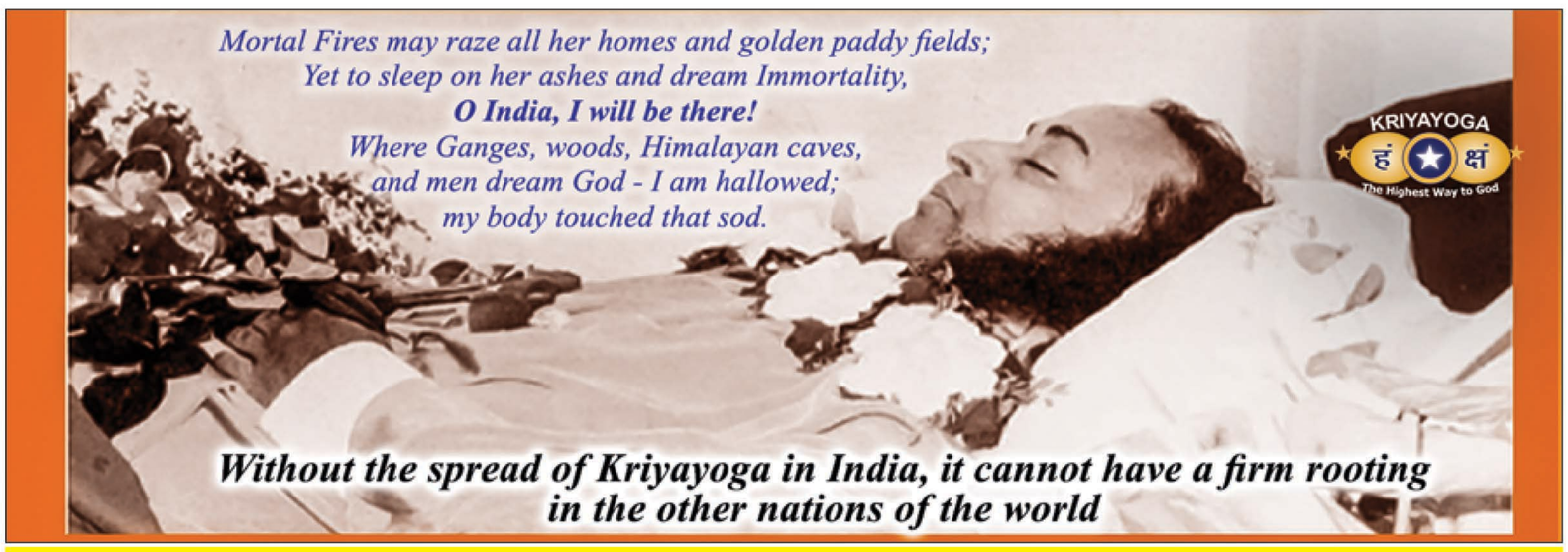

Weeks after departure - Shining with Divine Lustre of Incorruptibility

मैं महामहिम से प्रार्थना करता हूं कि एक देश से दूसरे देश में आप दया और प्रेम के हवाई जहाज भेजें न कि नष्ट करने के लिए बम के हवाई जहाज

पश्चिम में क्रियायोग को फैलाने के लिये 20 वीं शताब्दी में आध्यात्मिक अवतार श्री परमहंस योगानन्द जी ने अद्भुत कार्य किया । अमरीका में 32 वर्षों तक क्रियायोग का प्रचार-प्रसार करने के बाद श्री परमहंस योगानन्द जी 7 मार्च 1952 को बिल्टमोर होटल में 50 देशों के दूतावास के डिप्लोमेट अधिकारियों के सम्मुख अपने विचार को व्यक्त किया और यह कहा कि अब क्रियायोग को भारतवर्ष में विधिवत फैलाने के लिये, हे भारत, मैं वहीं आ रहा हूँ ।

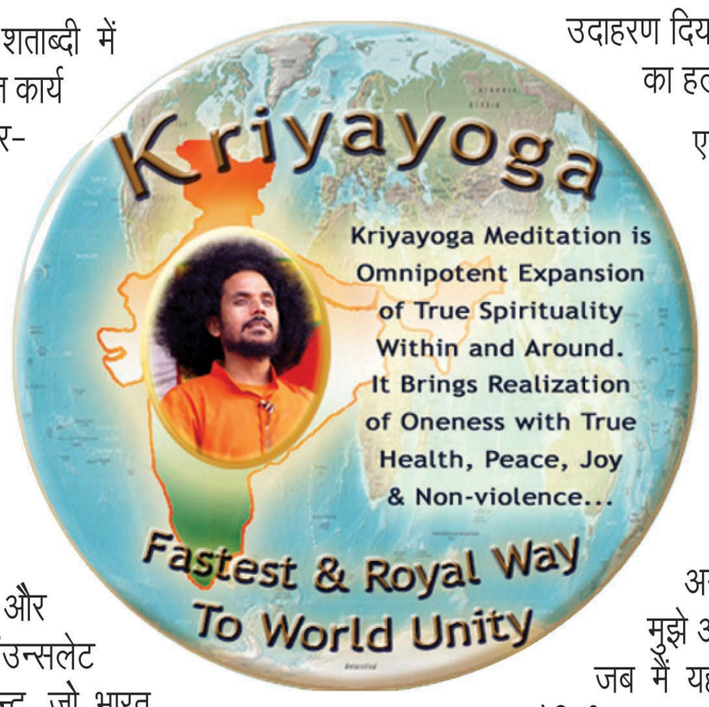

परमहंस योगानंद जी की अंतिम भाषण संक्षेप में इस प्रकार का थाः

महामहिम, हमारे राजदूत,स्वतंत्र भारत के शानदार और समझदार राजदूत, मैडम सेन, भारत के कुशल कांउन्सलेट जनरल श्री आहूजा जी, डॉ शर्मा और डॉक्टर सौन्द, जो भारत, पाकिस्तान और अमेरिका के लोगों के बीच समझ और एकता लाए हैं; सभी राष्ट्रों से आए हुए सभी सम्मानित अतिथि, और मेरे भारत,अमेरिका और दुनिया से उपस्थित सम्मानित अतिथिः मैं आप सबको प्रणाम करता हूं।

मैं यहां एक सलाहकार की क्षमता में नहीं हूं। इसलिए मैं केवल कुछ अपनी अनुभूति प्रस्तुत करूंगा। मुझे याद है जब मैं महात्मा गांधी जी से मिला था। महान पैगंबर युद्धरत आधुनिक दुनिया में शांति के लिए एक व्यावहारिक तरीका लेकर आए। गांधीजी वह पहले व्यक्ति हैं जिन्होंने ईसा मसीहा के सिद्धांत को राजनीति में उपयोग किया और भारत को स्वतंत्रता दिलायी । यह एक बहुत अच्छा उदाहरण दिया जिससे सभी राष्ट्र अपनी समस्याओं का हल आसानी से निकाल सकते है।

एक दिन प्रातः काल, मैं एक खाली जगह के सामने से गुजर रहा था जो एक दुकान के बगल में था। उसी शाम को जब मैं फिर से वहां से गुजर रहा था, मैंने देखा की उस स्थान पर एक घर बना था। तब मैंने एक आदमी से पूछा की वह घर सुबह भी वहीं था ? "नहीं", उसने कहा। यह अभी अभी खड़ा किया गया हैं। जब मैं अमेरिकन में इतनी उर्जा को देखता हूं तो मुझे अमेरिकी बनना अच्छा लगता है। लेकिन जब मैं यह सुनता हूं कि कई सारे करोड़पति अमेरिकी इतना सब कुछ कमाने के बाद, काफी कम उम्र में असाध्य बीमारियों के कारण उनकी शरीर छूट जाती है, तब मैं भारतीय बनना पसंद करता हूं। जो गंगा के तट पर बैठकर मन के फैक्ट्री पर ध्यान करता हो, जहां से अध्यात्मिक गगनचुंबी इमारतों बनती हैं, और अपने भारत के महान ऋषियों की महिमा के बारे में सोचूं। यें दो महान सभ्यताएं - कुशल अमेरिका और आध्यात्मिक भारत के बीच , एक उत्तम मार्ग है ।

ऐसा लगता है की युद्ध के लिए हमेशा काफी धन रहता है जिससे समाज पीड़ित होता है। लगता है कि हम पहले की घटनाएं से अभी तक सीख नहीं पा रहे हैं। अगर हम थोक में हत्याओं के लिए काफी सारा धन इकट्ठा कर सकते हैं, तो कल्पना करें हम क्यों नहीं दुनिया के सब लोग और बड़े नेता, भरपूर धन को इकट्ठा करके दुनिया की गरीबी और अज्ञानता को दूर करें। मुझे उम्मीद है और मैं महामहिम से प्रार्थना करता हूं कि एक देश से दूसरे देश में आप दया और प्रेम के हवाई जहाज भेजें, ना कि नष्ट करने के लिए बम के हवाई जहाज।

आइए हम पृथ्वी के शांति के लिए काम करें जैसे कभी ना किया हो। हां वैज्ञानिकों का सम्मेलन, राजदूतों का सम्मेलन और अध्यात्मिक लोगों का सम्मेलन चाहते हैं जो लगातार यह सोचे हैं कि दुनिया को हम कैसे और अच्छा घर - " आध्यात्मिक घर " बनायें जिसमें ईश्वरी नियम हमारे राजा और गाइड के रूप में हो।

(तालियां)

मुझे गर्व है कि मैं भारत ने जन्म लिया। मुझे गर्व है कि हमारे आध्यात्मिक भारतीयता का प्रतिनिधित्व करने वाले एक महान राजदूत आज इस समय यहाँ विराजमान हैं। आज मुझे बहुत गर्व है। मैं अक्सर कहता हूं:

"मृत्यु की अग्नि चाहे भारत के घरों और खेत खलिहानों को जलाकर राख कर दे, फिर भी उसी राह पर सोने और अमरता का स्वप्न देखने के लिए, हे भारत! में वही आऊँगा! जहां गंगा जंगल और हिमालय की गुफाओं में मनुष्य स्वप्ने देखता है ईश्वर का, मैं उस पवित्र भूमि को स्पर्श करके धन्य हो रहा हूँ..."

शब्दों को बोलने के बाद श्री श्री परमहंस योगानंद जी खड़े-खड़े अपनी दृष्टि को अंतमुर्खी करके महासमाधि में प्रवेश कर गए। उन्होंने अनेक बार कहा था- "मैं बिस्तर पर बीमार होकर नहीं बल्कि भारत और ईश्वर पर बोलते हुए परम चैतन्यावस्था में शरीर छोड़ूँगा। "

LAST SPEECH BEFORE DEPARTURE OF PARAMAHANSA YOGANANADA

(With excerpts from Paramahansa Yogananda In Memoriam)

After 32 years of extensive services to the Western countries, Paramahansa Yogananda decided to enter into Mahasamadhi. Mahavatar Babaji arranged metaphysically a last supper in the most wonderful way before the departure of Paramahansa Yogananda, who was none other than the incarnation of Lord Krishna and Lord Jesus. Foreign diplomats of 50 countries gathered at the Biltmore Hotel in Los Angeles on March 7th, 1952.

Addressing the congregation at 9:30 pm, Paramahansa ji honoured all the people present there and professed his presence in the future in India. Paramahansa Yogananda clearly realized that without having a firm footing of Kriyayoga in Modern India, the world will not be able to enjoy security and peace. Therefore, just before Mahasamadhi, Paramahansa Yogananda declared, " O India, I will be there! "

Excerpts of his last speech are as follows:

Your Excellency, our ambassador, illustrious an understanding Ambassador of free India; Madam Sen; gracious Consul General of India Mr Ahuja, and Dr. Sharma and Dr. Saund, Who have brought such harmony and understanding among the people of India, Pakistan , and America; and all honored guests present here from all nations, all guests present here from my India, my America, and my world: I bow to the God in you.

I am not here in an advisory capacity. So I will relate a few snatches of my experiences. I remember my meeting with Mahatma Gandhi. The great prophet brought a practical method for peace to the warring modern world. Gandhi, who for the first time applied Christ principles to politics and who won freedom for India, gave an example that should be followed by all

Madame Sen offering gratitude of India to her son in the West who was living embodiment of its ancient spiritual culture

nations to solve their troubles...

...One morning, I was passing by an empty field next to a store. That evening, as I passed that same way again, I saw a house standing in the field. I inquired of a man if the house had been there in the morning. "No," he replied, "they just put it up."

When I think of such energy, I like to be an American. But when I hear of so many American millionaires who die prematurely after making a business success, then I like to be a Hindu- to sit on the banks of the Ganges and concentrate on the factory of Mind from which spiritual skyscrapers can come, and to think of the great masters of India who are her perennial glory. Somewhere between the two great civilizations of efficient America and spiritual India lies the answer for a model world civilization.

It seems there is always plenty of money for war, which brings in its wake great sufferings. We don't seem to learn from these. If we can raise money for wholesale killings, couldn't we picture the possibility that if all big leaders and all peoples got together, they could collect a vast fund that could banish poverty and ignorance from the face of the globe?

I do hope and pray, your Excellency, that you will always emphasize the airplanes of mercy from one country to another instead of airplanes that carry bombs to destroy. Let us work for peace on earth as never before. We want a congress of scientists, of ambassadors, of religious men who will constantly think how to make this world a better home, a spiritual home with God as our guide. (Applause)

I am proud that I was born in India. I am proud that we have a great Ambassador representing my spiritual India. I am very proud today. I often say:

"Mortal fires may raze all her homes and golden paddy fields, Yet to sleep on her ashes and dream immortality, O India, I will be there! God made the earth, and man made confining countries And their fancy-frozen boundaries Where Ganges, woods, Himalayan caves, and men dream God-

I am hallowed; my body touched that sod." With these last words from his poem, “My India,” Paramahansaji slid to the floor with a beatific smile on his face. Often he had said that he didn’t want to die in bed but with his boots on, speaking on God and India.